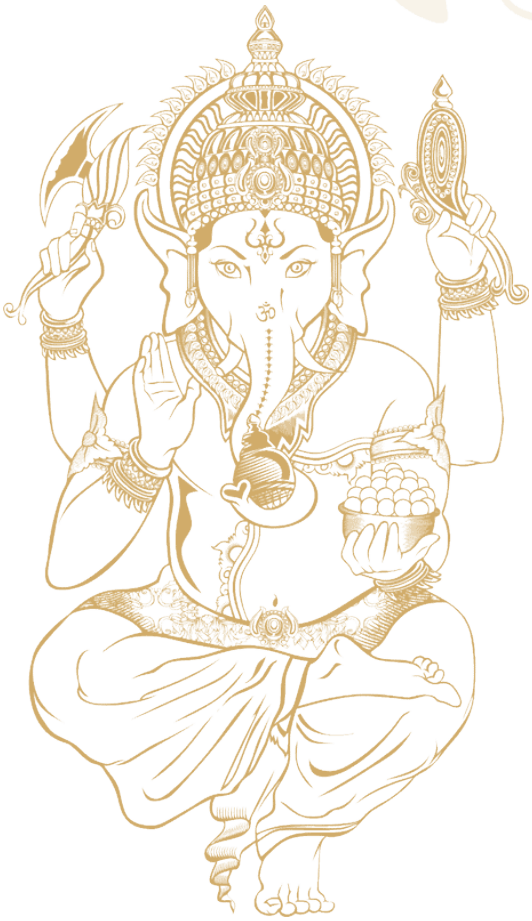

Yanshi Tyagi

24 Dec 2000

01:17 PM

Muradnagar

Model: Varshphal-2017

Order No: 119070201

तिथि 24/12/2000 **समय** 13:17:00 **वार** रविवार **स्थान** Muradnagar **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:51:58
अक्षांश 28:47:00 उत्तर **रेखांश** 77:29:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:20:04 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	19:09:32 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:00:20 घं	योनि	मृग
सूर्योदय	07:10:40 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	17:29:01 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2057	वश्य	कीटक
शक संवत	1922	वर्ग	मृग
मास	पौष	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
नक्षत्र	ज्येष्ठा	पाया(रा.-न.)	लौह-ताम्र
योग	गण्ड	होरा	मंगल
करण	शकुनि	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
बुध 8वर्ष 3मा 26दि
शुक्र
20/04/2016
20/04/2036

शुक्र	21/08/2019
सूर्य	20/08/2020
चन्द्र	21/04/2022
मंगल	21/06/2023
राहु	21/06/2026
गुरु	19/02/2029
शनि	20/04/2032
बुध	19/02/2035
केतु	20/04/2036

योगिनी
भद्रिका 2वर्ष 5मा 11दि
पिंगला
06/06/2025
06/06/2027

पिंगला	16/07/2025
धान्या	15/09/2025
भ्रामरी	05/12/2025
भद्रिका	17/03/2026
उल्का	16/07/2026
सिद्धा	05/12/2026
संकटा	17/05/2027
मंगला	06/06/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			00:34:41	मेष	अश्विनी	1	केतु	केतु	---	0:00			
सूर्य			08:56:34	धनु	मूल	3	केतु	गुरु	मित्र राशि	1.56	मातृ	पितृ	सम्पत
चंद्र			23:28:22	वृश्चि	ज्येष्ठा	3	बुध	मंगल	नीच राशि	1.15	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल			06:33:25	तुला	चित्रा	4	मंगल	चंद्र	सम राशि	1.53	ज्ञाति	भ्रातृ	साधक
बुध		अ	08:05:48	धनु	मूल	3	केतु	गुरु	सम राशि	0.93	पुत्र	ज्ञाति	सम्पत
गुरु	व		09:01:25	वृष	कृतिका	4	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि	1.12	भ्रातृ	धन	क्षेम
शुक्र			24:30:46	मक	धनिष्ठा	1	मंगल	राहु	मित्र राशि	1.09	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि	व		01:06:10	वृष	कृतिका	2	सूर्य	राहु	मित्र राशि	0.78	कलत्र	आयु	क्षेम
राहु	व		21:37:34	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	गुरु	उच्च राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		21:37:34	धनु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु	उच्च राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

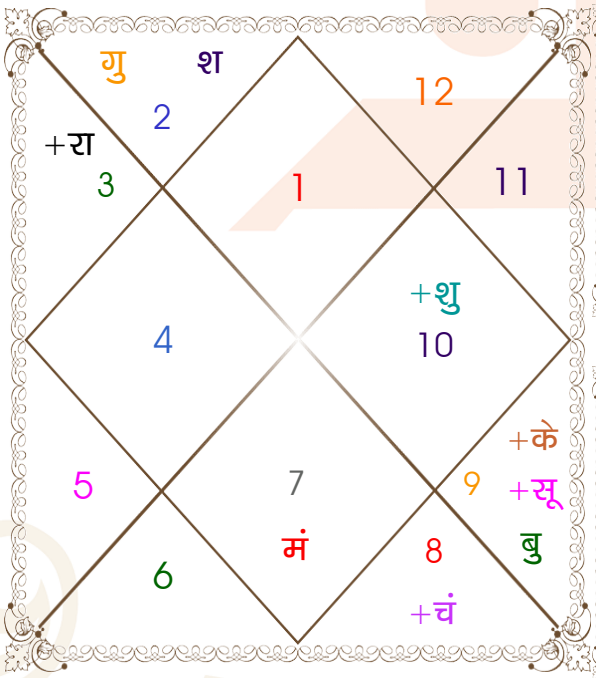

चन्द्र कुंडली

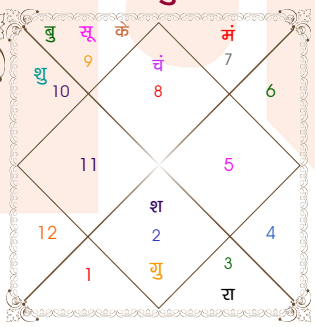

नवमांश कुंडली

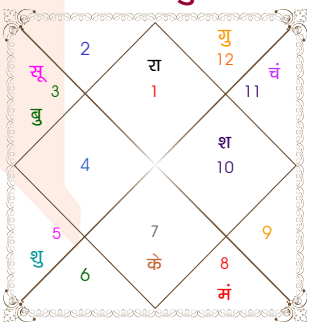

सर्वाष्टकवर्ग

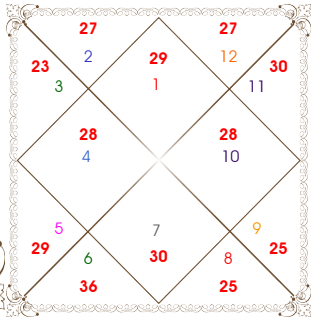

दशमांश कुंडली

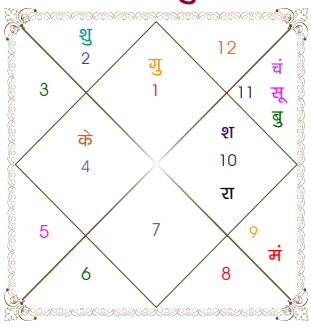

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त सांसारिक महत्व के कार्यो को उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको वांछित सफलता प्राप्त होगी मानसिक रूप से भी आपकी शान्ति तथा प्रसन्नता बनी रहेंगी तथा स्वभाव में विनम्रता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपकी बुद्धि तीव्र रहेगी फलतः अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से ही सम्पन्न करेंगी। संतति पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे। पति से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा अतः दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी । इस समय आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति भी आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी फलतः किसी शुभ एवं धार्मिक कार्य पर व्यय करेंगी। इसके अतिरिक्त भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको प्राप्ति होगी एवं प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी रहेगा। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा वरिष्ठ नेता या अधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे । साथ ही इनसे आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी इस समय उत्तम रहेगा तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्यशाली रहेगा। इस समय आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा एवं अपने समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। अपने बन्धु एवं मित्रों के प्रति इस समय आपके मन में पूर्ण सद्भावना तथा स्नेह का भाव रहेगा तथा यत्नपूर्वक आप उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी तथा वे भी आपको अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे।इस समय सत्कार्यो को करने के लिए आपकी रूचि रहेगी तथा इन्हें करने के लिए आप यत्नशील रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा समयानुकूल देवताओं एवं ब्राहमणों की आप सेवा करेंगी। इस वर्ष आपको किसी नवीन स्थान की प्राप्ति होगी या आवास संबधी परिवर्तन होगा। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में भी आप इस वर्ष वांछित उन्नति करेंगी। नौकरी या राजनीति में आपको इस समय किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में भी आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा इस वर्ष में किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी आशाएं तथा संकल्प पूर्ण होंगे तथा सर्वत्र प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि होंगी तथा अपने क्षेत्र में वे इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। अतः आपके लिए यह वर्ष शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि अत्यंत ही तीव्र रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह एवं बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगी।इनमें अधिकाशं कार्यो में आपको सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। संतति पक्ष से इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी तथा इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही अपने कार्यक्षेत्र में भी वे सफलता अर्जित करेंगे। इस वर्ष में भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगी। साथ ही अन्य द्रव्य पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी।इसक, अतिरिक्त इस समय आपको संतति की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों तक आपकी पहुँच रहेगी फलतः नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी तथा लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे।व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति करेंगी तथा इच्छित लाभ भी प्राप्त होगा साथ ही कार्य का विस्तार या किसी नवीन योजना को प्रारंभ करने में भी आपको सफलता प्राप्त हो सकती है । धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा धार्मिक कृत्यों एवं प्रवृतियों का अनुपालन करने में आप तत्पर रहेंगी। इसके साथ ही आपकी मानसिक तथा सांसारिक समस्याएं खत्म होंगी एवं आनन्द पूर्वक आप अपने समय को व्यतीत करेंगी।

प्रथम मास

24/12/2025 23:05:12 से 23/01/2026 09:53:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:24:09
सूर्य		धनु	मूल	08:56:34
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:45:27
मंगल		धनु	मूल	12:54:56
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:30:39
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:03:18
शुक्र		धनु	मूल	05:50:22
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:33:51
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:02:44
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:02:44
मुंथा		वृष	कृतिका	00:34:41

मासाधिपति

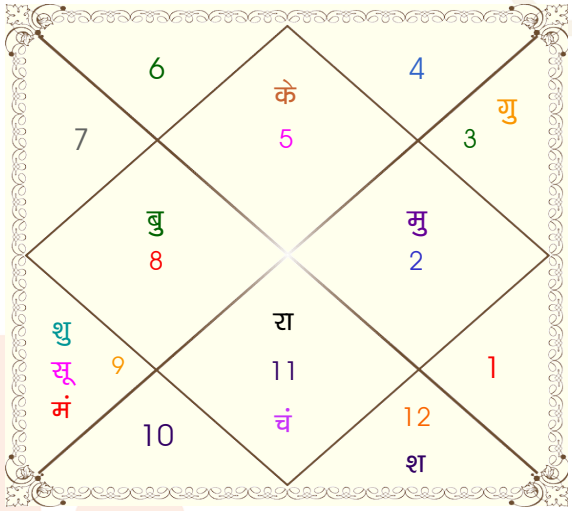

मासाधिपति : मंगल

इस मास आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेगा। मित्र एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगी एवं यत्न पूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा इनका सम्मान एवं पूजन विधिपूर्वक सम्पन्न करेंगी। सामाजिक जनों से भी आप प्रतिष्ठा एवं अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप विविध आय स्त्रोतों से धनार्जन करेंगी तथा नवीन स्थान या आवास की भी प्राप्ति कर सकेंगी। साथ ही पिछले महीने की असफल आशाएं भी आपकी पूर्ण होगी। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

लेकिन शुभ फलों के साथ साथ इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास

23/01/2026 09:53:29 से 22/02/2026 00:44:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:53:25
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:56:34
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:44:26
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:37:06
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:57:48
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:11:28
शुक्र		मकर	श्रवण	12:52:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:35:27
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:08:12
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:08:12
मुंथा		वृष	कृतिका	03:04:41

मासाधिपति

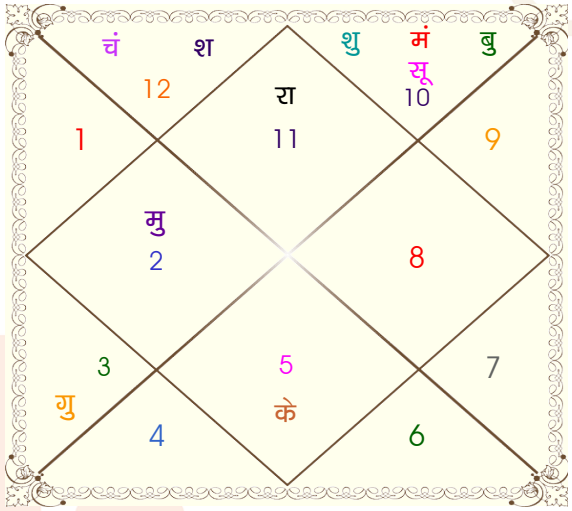

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप मिलेजुले फलों को प्राप्त करेंगी। अतः आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे तथा समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके विशेष मधुर सम्बन्ध नहीं होंगे जिससे परिवार में अशान्ति का वातारण बनेगा। व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास में किसी भी प्रकार से न्यूनता आ सकती है। या कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या अलगाव हो सकता है। समाज में मित्र या बन्धुवर्ग के मध्य भी आप तनावपूर्ण सम्बन्ध रखेंगी। जिससे मान प्रतिषठा में अल्पता का आभास होगा। इसके साथ ही शरीर में रूग्णता तथा अनावश्यक रूप में धन हानि का योग भी बनता है।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी सम्पन्न होंगे। जिसके द्वारा आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्राप्त करेंगी तथा दूर समीप की यात्रा भी सम्पन्न कर सकती हैं। साथ ही आपको नवीन वस्त्र या आभूषण आदि की भी प्राप्ति होगी तथापि मध्यम रूप से आपका यह मास व्यतीत होगा।

तृतीय मास
22/02/2026 00:44:13 से 24/03/2026 00:49:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:20:20
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	08:56:34
चन्द्र		मेष	अश्विनी	03:16:43
मंगल		मकर	धनिष्ठा	28:50:53
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:42:50
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:21:10
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:00:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:39:18
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:44:37
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:37
मुंथा		वृष	कृतिका	05:34:41

मासाधिपति

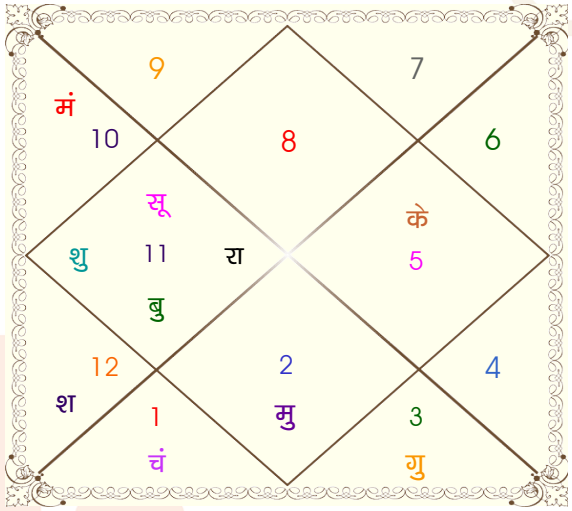

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए विशेष अनुकूल नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शुभ फलों के मध्य अशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय पति तथा बन्धु वर्ग से आपको कष्टानुभूति होगी या आपके पति या बन्धु वर्ग को किसी भी प्रकार का कष्ट हो सकता है।साथ ही आपके शत्रु भी इस मास बलवान होंगे तथा उनकी तरफ से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस समय आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे मानसिक रूप से तनाव की अनुभूति करेंगी। साथ ही आर्थिक स्थिति में भी शिथिलता आएगी। आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय बन्धुजनों से भी आपके सम्बन्ध विशेष मधुर नहीं रहंगे तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी वाद विवाद की आशंका बनी रहेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल की भी प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे तथा इनसे आपको सन्तुष्टि प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल सिद्ध होंगी। इस प्रकार आपका यह मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा।

चतुर्थ मास
24/03/2026 00:49:21 से 23/04/2026 13:04:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	01:05:09
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	08:56:34
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:24:10
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:28:13
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:41:25
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:07:16
शुक्र		मीन	रेवती	27:18:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:18:01
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:31:41
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:31:41
मुंथा		वृष	कृतिका	08:04:41

मासाधिपति

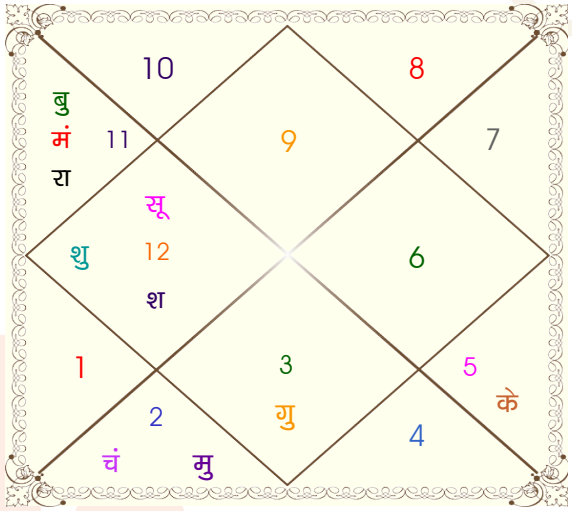

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। अतः इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप बेचैनी की अनुभूत करेंगी। इस समय आपके घर में चोरी भी हो सकती है। आप अपने उच्चाधिकारियो की ऐसे समय में उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पालन करती रहें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित भी हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा आपको अत्यधिक मात्रा में परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। जिसके कारण इस मास में आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकती हैं। इस मास में आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्ध अच्छ नहीं रहेंगे तथा आशाएं भी आपकी अल्पमात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति तथा पुत्रों से वांछित सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं का लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

पंचम् मास
23/04/2026 13:04:08 से 24/05/2026 13:13:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	24:20:39
सूर्य		मेष	अश्विनी	08:56:34
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	28:44:42
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	16:14:23
बुध		मीन	रेवती	18:15:36
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:40:46
शुक्र		वृष	कृतिका	04:44:08
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:02:09
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:07:09
केतु	व	सिंह	मघा	13:07:09
मुंथा		वृष	रोहिणी	10:34:41

मासाधिपति

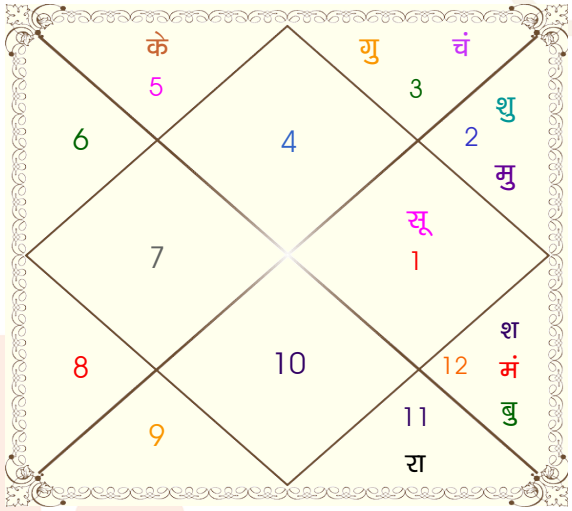

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी एवं पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका स्वास्थ्य इस समय उत्तम रहेगा तथा मन में भी पूर्ण शान्ति रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आप रूचिशील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुजनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आप उचित सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी तथा उनका पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगी जिससे प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी अपूर्ण मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी मिलता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा उचित धन लाभ एवं सुखार्जन करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का आयोजन भी कर सकती हैं।

षष्ठ मास

24/05/2026 13:13:00 से 24/06/2026 21:41:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:43:39
सूर्य		वृष	कृतिका	08:56:34
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:21:02
मंगल		मेष	अश्विनी	09:48:55
बुध		वृष	रोहिणी	20:25:55
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:25:40
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	12:03:56
शनि		मीन	रेवती	17:20:09
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:27:54
केतु	व	सिंह	मघा	10:27:54
मुंथा		वृष	रोहिणी	13:04:41

मासाधिपति

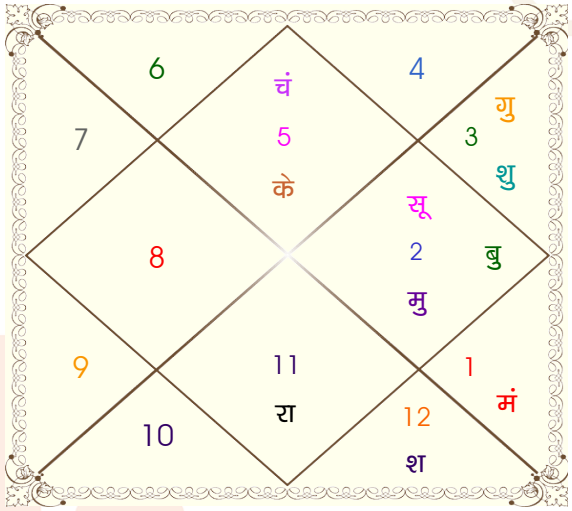

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सफलता तथा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा अपने वरिष्ठ सहयोगी एवं उच्चाधिकारी वर्ग को सन्तुष्ट तथा प्रभावित करने में सफल रहेंगी साथ ही पदोन्नति भी प्राप्त कर सकेंगी। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी साथ ही उनकी भलाई के लिए कार्य करने में भी आप तत्पर रहेंगी। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा उनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि भी फैलेगी एवं अन्य प्रकार से भी आप लाभ अर्जित करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस महीने में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकती हैं।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी एवं आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण इच्छाएं भी इस समय पूर्ण होंगी। इस प्रकार धन तथा सुख का उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक आपका यह मास व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
24/06/2026 21:41:23 से 26/07/2026 08:28:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	16:28:21
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	08:56:34
चन्द्र		तुला	स्वाति	10:33:43
मंगल		वृष	कृतिका	02:48:37
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:02:57
गुरु		कर्क	पुष्य	04:35:21
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	18:45:03
शनि		मीन	रेवती	19:39:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:34:30
केतु	व	सिंह	मघा	07:34:30
मुंथा		वृष	रोहिणी	15:34:41

मासाधिपति

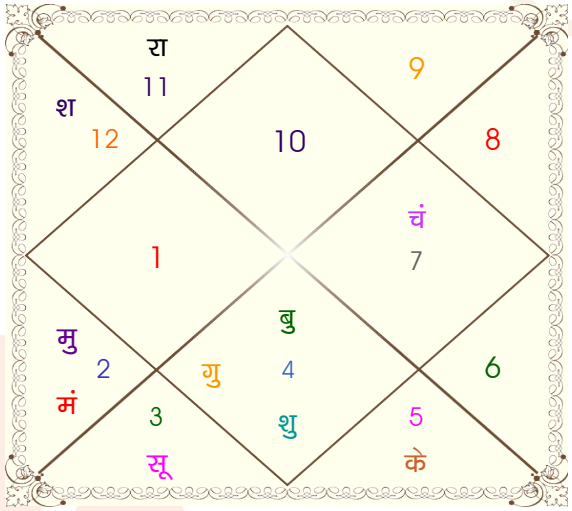

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धिमता से सम्पन्न करने में सफल रहेंगी।साथ ही पुत्र से आप सुख प्राप्त करेंगी एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। समाज में भी आपकी प्रभुता में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं आपको हार्दिक मान सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा किसी शुभ समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं निष्ठा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी फलतः समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों या ठंड से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपकी समाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके साथ ही आग के द्वारा किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
26/07/2026 08:28:10 से 26/08/2026 14:50:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:35:21
सूर्य		कर्क	पुष्य	08:56:34
चन्द्र		धनु	मूल	00:26:27
मंगल		वृष	मृगशिरा	24:50:49
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:18:45
गुरु		कर्क	पुष्य	11:25:47
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:39:15
शनि		मीन	रेवती	20:31:08
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:50:11
केतु	व	सिंह	मघा	05:50:11
मुंथा		वृष	रोहिणी	18:04:41

मासाधिपति

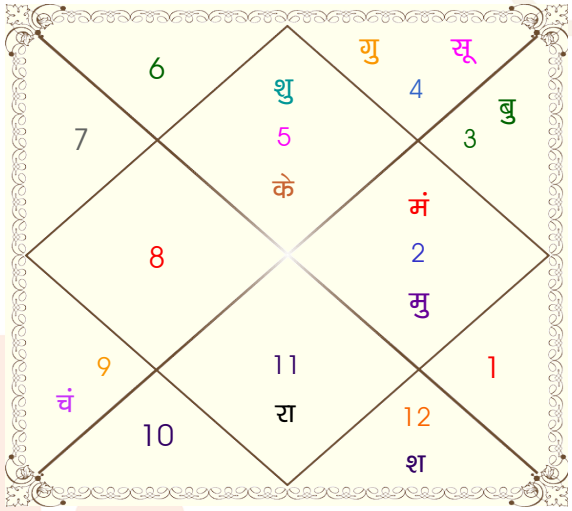

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप प्रोन्नति भी प्राप्त कर सकती है। मित्रों एवं बन्धुओं से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी तथा उनके कल्याण संबधी कार्यो में भी तत्पर रहेंगी। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे। अतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। इसके साथ ही अन्य साधनों द्वारा भी आप धनार्जन करेंगी तथा अपनी सम्पूर्ण इच्छाओं को इस समय पूर्ण करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपने शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में यात्रा के द्वारा भी लाभ प्राप्त करेंगी। इस समय आपको नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या स्वर्णाभूषणों की उपलब्धि भी हो सकती है।

नवम् मास
26/08/2026 14:50:49 से 26/09/2026 11:26:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	04:26:45
सूर्य		सिंह	मघा	08:56:34
चन्द्र		मकर	श्रवण	18:11:25
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	15:34:51
बुध		सिंह	मघा	07:36:46
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:16:45
शुक्र		कन्या	चित्रा	24:16:30
शनि	व	मीन	रेवती	19:44:39
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:25
केतु		सिंह	मघा	05:36:25
मुंथा		वृष	रोहिणी	20:34:41

मासाधिपति

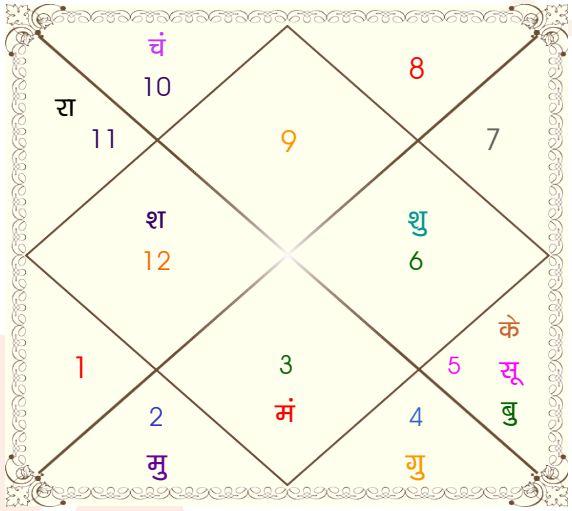

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आप अशुभ फल शुभ फलों की अपेक्षा अधिक अर्जित करेंगी जिससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं उनसे आप अनावश्यक कष्ट भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः सतर्क रहना श्रेयस्कर रहेगा। इस समय आपको उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पूर्ण पालन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार से उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दण्डित हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक रूप से परेशान रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे विशेष सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगी तथा आपकी आशाएं भी कम ही पूर्ण होगी। अतः धैर्यपूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धि के कौशल से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में आप यश प्राप्त करने में भी समर्थ हो सकेंगी।

दशम् मास
26/09/2026 11:26:09 से 26/10/2026 19:40:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	16:08:10
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:56:34
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	03:16:45
मंगल		कर्क	पुष्य	04:39:49
बुध		कन्या	चित्रा	29:55:45
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:29:32
शुक्र		तुला	स्वाति	13:20:06
शनि	व	मीन	रेवती	17:42:55
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:19:17
केतु	व	सिंह	मघा	05:19:17
मुंथा		वृष	रोहिणी	23:04:41

मासाधिपति

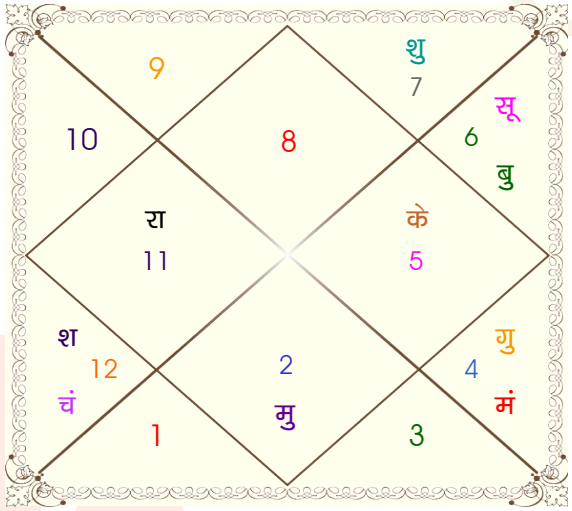

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप शुभ फलों को अल्प तथा अशुभ फलों को अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पति तथा पुरूष वर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी।साथ ही आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही आपको अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी जिससे मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपका स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी फलतः समाज से भी आप उपेक्षा का सामना करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में मनमुटाव रहेगा इसके साथ ही मित्र भी इस समय शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त समाज में अन्य जनों से भी वाद विवाद होता रहेगा। अतः संयमपूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। अतः आप पुरूष वर्ग से लाभ तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा परिश्रम से आप धन तथा सुख भी अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में प्रतिष्ठा अर्जित करने में आप सफल रहेंगी।

एकादश मास
26/10/2026 19:40:40 से 25/11/2026 16:22:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	15:17:54
सूर्य		तुला	स्वाति	08:56:34
चन्द्र		मेष	भरणी	14:32:07
मंगल		कर्क	आश्लेषा	21:37:05
बुध	व	तुला	विशाखा	26:22:52
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:23:56
शुक्र	व	तुला	चित्रा	05:01:56
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:24:29
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:20:25
केतु	व	सिंह	मघा	03:20:25
मुंथा		वृष	मृगशिरा	25:34:41

मासाधिपति

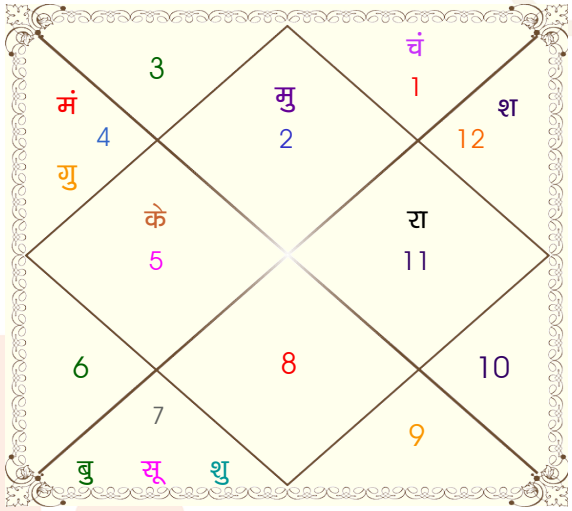

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित,चिन्तित तथा भयभीत करने में सफल रहेंगी। इस मास में आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को बल प्रदान करेंगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा आपके रूके हुए कार्य भी बनेंगे। साथ ही अपने मित्र एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपके सभी कार्य पूर्ण होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता होगी इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको इछित लाभ तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप शीत से उत्पन्न होने वाले रोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। इस समय आप आग के द्वारा भी न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकती हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करें।

द्वादश मास
25/11/2026 16:22:28 से 25/12/2026 05:16:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	22:51:52
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	08:56:34
चन्द्र		वृष	रोहिणी	20:40:06
मंगल		सिंह	मघा	05:33:08
बुध		तुला	विशाखा	20:08:40
गुरु		सिंह	मघा	02:17:26
शुक्र		तुला	चित्रा	01:04:07
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:54:49
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:01:16
केतु	व	सिंह	मघा	00:01:16
मुंथा		वृष	मृगशिरा	28:04:41

मासाधिपति

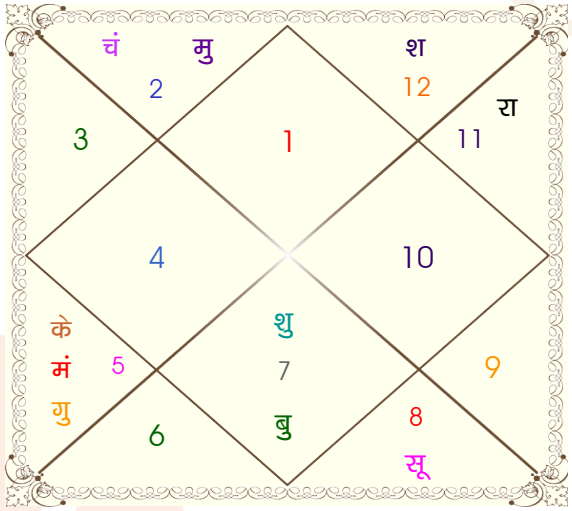

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा उत्साह पूर्वक धनार्जन करेंगी। साथ ही परिवार एवं समाज से आप वांछित सम्मान अर्जित करेंगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक इच्छा रहेगी। साथ ही स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा तथा शरीर में बल की वृद्धि होती रहेगी। इस मास में शत्रुओं को पराजित तथा भयभीत करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पुत्र से आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा तथा नौकरी या व्यापार के अतिरक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।